दैनिक जागरण
inext
PAGE NO, 03 TOP

फैटी लिवर वाले 70 फीसदी रोगी मोटापा और 75 फीसदी डायबिटीज से ग्रस्त

फैटी लिवर लिवर सिरोसिस से लेकर लिवर कैंसर तक की वजह बन सकता

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (12 June): फैटी लिवर तेजी से बढ़ती हुई वैश्विक महामारी है. शुरुआत में लक्षण स्पष्ट न होने से लिवर के खराब होने की जानकारी नहीं हो पाती. दूसरे या तीसरे चरण में पहुंचने पर फैटी लिवर के लक्षण महसूस होते हैं, तभी इसके बारे में पता चलता है. इससे पीड़ित 70 फीसद रोगी मोटापे से ग्रस्त मिलते हैं. 75 फीसद को टाइप-टू डायबिटीज और 20 से 80 फीसदी में हाइपरलिपिडिमिया से ग्रसित होते हैं. अनियंत्रित होने पर फैटी लिवर लिवर सिरोसिस से लेकर लिवर कैंसर तक की वजह बन सकता है. आरंभिक चरणों में समस्या का निदान संभव है. यह बातें एसआरएमएस मेडिकल कालेज में विश्व फैटी लिवर दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने कहीं. गैस्ट्रोएंटरोलाजी यूनिट की ओर से 'विश्व फैटी लिवर दिवस' पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें सुबह मरीजों के लिए स्वास्थ्य जांच और परामर्श शिविर लगाया गया. वहीं, शाम को एमबीबीएस के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक व्याख्यान हुए. विशेषज्ञों ने सक्रिय जीवन शैली के साथ नियमित एक्सरसाइज अपनाने की भी सलाह दी. शाम को फैटी लिवर और इसका प्रबंधन विषय पर शैक्षणिक व्याख्यान हुआ. व्याख्यान की थीम खाना ही दवा है पर गैस्ट्रोएंटेरोलाजिस्ट डा. वत्स गुप्ता ने दिल, डायबिटीज और अन्य गंभीर बीमारियों पर फैटी लिवर के दुष्प्रभावों के बारे में बताया. एंडोक्रिनोलाजिस्ट डा. श्रुति शर्मा, रेडियोलाजिस्ट डा. नीरज प्रजापति, गैस्ट्रोएंटेरोलाजिस्ट डा. शिवम गुप्ता आदि ने विचार प्रस्तुत किए. अध्यक्षता जनरल मेडिसिन विभाग की एचओडी डा. स्मिता गुप्ता ने की. इस दौरान प्राचार्य एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला, डीन यूजी डा. बिंदु गर्ग, डा. शरद जौहरी, डीएसडब्ल्यू डा. क्रांति कुमार, डा. विद्यानंद, डा. मीनाक्षी जिंदल आदि उपस्थित रहे.

● कार्यक्रम में शामिल हुए एक्सपर्ट.